

तीसरी बार एनडीए की सरकार बनना तय

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीजेपी ऑफिस में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि तीसरी बार एनडीए की सरकार बननी तय है, भाजपा और राजग में पूर्ण विश्वास के लिए लोगों का आभार। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र और संविधान में भरोसे की जीत है। उन्होंने कहा कि हर भारतीय को हमारी चुनाव प्रणाली और उसकी विश्वसनीयता पर गर्व है। मोदी ने कहा कि 1962 के बाद पहली बार कोई सरकार अपना दो कार्यकाल पूरा करने के बाद लगातार तीसरी बार सत्ता में आई है।

मोदी बोले :- देश बड़े फैसलों का अध्याय लिखेगा

मोदी ने कहा है कि एनडीए देश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नई ताकत से काम करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीजेपी के ऑफिस पहुंच चुके हैं। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया है। बीजेपी ऑफिस में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा मौजूद हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की लगातार तीसरी बार जीत को ऐतिहासिक पल बताया है और इसके लिये देश की जनता के प्रति आभार जताया। मोदी ने कहा है कि गठबंधन देश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नई ताकत से काम करेगा।

प्रधानमंत्री ने 18वीं लोकसभा के परिणामों और रुझानों के बीच मंगलवार शाम एक्स पर एक पोस्ट में कहा, “देश की जनता-जनार्दन ने एनडीए पर लगातार तीसरी बार अपना विश्वास जताया है। भारत के इतिहास में ये एक अभूतपूर्व पल है। मैं इस स्नेह और आशीर्वाद के लिये अपने परिजनों को नमन करता हूं। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिये हम नयी ऊर्जा, नयी उमंग, नये संकल्पों के साथ आगे बढ़ेंगे। सभी कार्यकर्ताओं ने जिस समर्पण भाव से अथक मेहनत की है, मैं इसके लिये उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, अभिनंदन करता हूं।

लोकसभा चुनाव 2024 की मतगणना के जता रुझानों में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 292 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि विपक्षी 'इंडिया समूह के प्रत्याशी 233 सीटों पर आगे चल रहे हैं या विजयी हुये हैं। इन चुनावों में भाजपा अपने बल पर बहुमत हासिल करने में कामयाब नहीं हुयी है, लेकिन 543 संसदीय सीटों में से उसे 240 सीटें मिलती हुयी दिखाई दे रही है।

नतीजों के बीच NDA-INDIA का जश्न

दिल्ली में भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ता ढोल पर नाचे; बंगाल में टीएमसी वर्कर्स ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लोकसभा चुनाव के नतीजे अब आने लगे हैं। भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिली है। हालांकि, एनडीए की सरकार बनती दिख रही है। इंडि ब्लॉक भाजपा को कड़ा मुकाबला दे रहा है। कार्टूनिंग के बीच कहीं जश्न का माहौल है, तो कहीं सन्नाटा पसरा है। दिल्ली में भाजपा कार्यालय के बाहर पार्टी कार्यकर्ता जश्न मनाते पहुंचे, लेकिन नेताओं में कुछ खास खुशी नहीं दिखी। कुछ कार्यकर्ता भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास के सामने ढोल-नगाड़े के साथ नाचते जरूर दिखे। दूसरी तरफ, 2019 के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस समेत इंडि ब्लॉक के बाकी दलों में हर्ष का माहौल है। दिल्ली में कांग्रेस वर्कर्स ढोल की ताल पर झुमते कैमरे में कैद हुए। बंगाल में टीएमसी कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाया।



तीसरी बार एनडीए की सरकार

कल गठबंधन की बैठक, पीएम ने दिल्ली आने के लिए नीतीश-नायडू को फोन किया

नई दिल्ली, एजेंसी।

18वीं लोकसभा चुनाव के नतीजे लगभग साफ हो गए हैं। 542 सीटों में से एनडीए को 291, इंडि गठबंधन को 234 सीटें मिल रही हैं। हालांकि, भाजपा 272 के बहुमत आंकड़े को पार नहीं कर पाई, लेकिन एनडीए को बहुमत मिल गया है। 2014 में भाजपा को 278 और 2019 में 303 सीटें मिली थीं।

इस बीच अब सरकार बनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। एनडीए ने अपने घटकदलों की बुधवार सुबह 11.30 बजे बैठक बुलाई है। पीएम ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार और टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू को फोन कर बैठक के लिए फोन किया है।

उधर, इंडि गठबंधन की भी शाम को दिल्ली में बैठक बुलाई गई है। राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इस बैठक अगली रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

इलेक्शन कमीशन की वेबसाइट के अनुसार, रात 10 बजे तक भाजपा को 240, कांग्रेस को 99, सपा को 37, टीएमसी को 29, डीएमके को 22, टीडीपी को 16, जेडीयू को 12, शिवसेना यूटीबी को 9, एनसीपी शरद पवार को 7, राजद को 4 और लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास को 5, शिवसेना शिंदे को 7 सीटें मिलती दिख रही हैं।

ममता ने कहा- ये मोदी की हार है। राहुल ने कहा, देश मोदी-शाह को नहीं चाहता। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बीजेपी के गिरे जनाधार के लिए पीएम मोदी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि यह मोदी की नैतिक हार है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि यह मोदी की हार है। उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। चुनाव आयोग ने 16 मार्च को लोकसभा चुनाव कार्यक्रम का ऐलान किया था। कुल 7 फेज में 19 अप्रैल से 1 जून तक वोटिंग हुई। 1952 के बाद 44 दिन का यह चुनाव सबसे लंबा रहा। 1952 में यह 4 महीने चला था। इन 2 मौकों के अलावा चुनाव की प्रोसेस अमूमन 30 से 40 दिन में पूरी हो जाती थी।

राहुल बोले- रिजल्ट कह रहा, देश मोदी-शाह को नहीं चाहता



नई दिल्ली, एजेंसी।

लोकसभा की 543 सीटों पर जारी गिनती के बीच मंगलवार शाम 5.35 बजे कांग्रेस के बीच मंगलवार शाम 5.35 बजे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली के पार्टी दफ्तर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। बहन प्रियंका के साथ वे मुस्कराते हुए पार्टी ऑफिस पहुंचे। उनके साथ मां सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और जयराम रमेश भी थे।

राहुल ने मीडिया से 7 मिनट बात की। उन्होंने लोकसभा के रिजल्ट और रुझान को लेकर कहा- देश मोदी-शाह को नहीं चाहता। ये लड़ाई संविधान को बचाने की थी। मैं सच बताऊं तो मेरे माईड में था कि जब हमारा अकाउंट सीज किया गया। दो-दो मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला गया। तब मेरे जेहन में था कि जनता संविधान बचाने के लिए लड़ेगी। भारत की जनता ने संविधान और लोकतंत्र को बचा लिया है। देश की वर्चित और गरीब आबादी अपने अधिकारों की रक्षा के लिए डुहड़के के साथ खड़ी हो

गयी। गठबंधन के सभी साथियों और कांग्रेस के बम्बर शेर कार्यकर्ताओं को बधाई। राहुल ने उत्तर प्रदेश में मिले रिजल्ट के लिए बहन प्रियंका की भी तारीफ की। प्रियंका गांधी वाड्ढा ने कहा- मैं बहुत खुश हूं। मैं यूपी के लोगों से कहना चाहती हूं कि उन्होंने बहुत विवेक दिखाया है। मुझे यूपी पर सबसे ज्यादा गर्व है।

राजस्थान में 10 साल बाद खुला कांग्रेस का खाता

राजस्थान में भाजपा का क्लीन स्वीप करने का सपना टूट गया। सत्तारूढ़ पार्टी 25 से 14 सीटों पर आ गई। वहीं, कांग्रेस गठबंधन ने 11 सीटें जीतकर 10 साल बाद धमाकेदार वापसी की। लोकसभा चुनावों के रिजल्ट में केंद्रीय मंत्री सहित तीन भाजपा सांसदों की भी हार हुई है। इनमें बाड़मेर-जैसलमेर से मंत्री कैलाश चौधरी, सीकर से सुमेधानंद सरस्वती, टोंक-सवाई माधोपुर से सुखबीर सिंह जौनापुरिया शामिल हैं।

खरगे बोले- यह मोदी की नैतिक हार है



नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि इस लोकसभा चुनाव का परिणाम जनता और लोकतंत्र की जीत है तथा यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक एवं नैतिक हार है। खरगे ने कहा, “यह जनता का परिणाम है। यह जनता की जीत है, लोकतंत्र की जीत है। हम पहले से कह रहे थे कि यह लड़ाई मोदी बनाम जनता थी। उनका कहना था, “18वीं लोकसभा के इस चुनाव में हमने विनम्रता से जनमत को स्वीकार किया है। इस बार जनता ने किसी एक दल को पूर्ण बहुमत नहीं दिया। खासकर सत्ताधारी भाजपा ने एक व्यक्ति और एक चेहरे के नाम पर वोट मांगा था। खरगे ने कहा, “यह प्रधानमंत्री की राजनीतिक और नैतिक हार है। यह उनकी बहुत बड़ी हार है।

अयोध्या में भी भाजपा हारी

2024 की तस्वीर लगभग साफ हो चुकी है। यूपी में भाजपा को बड़ा नुकसान हुआ है। एनडीए गठबंधन 29 सीटों पर आगे है। जबकि इंडी गठबंधन 39 यानी 10 सीट आगे। नगीना सीट से चंद्रशेखर ने जीत हासिल की है। अगर पार्टीवाइज देखा जाए तो भाजपा 32, सपा 38, कांग्रेस 6, रालोद 2, अपना दल 1 सीट पर जीत की ओर है या जीत चुकी है।

बसपा 2014 की तरह फिर से शून्य पर सिमट गई। अयोध्या के जिस राम मंदिर को भाजपा ने पूरे देश में मुद्दा बनाया था, उसी अयोध्या में 10 साल बाद भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह 40 हजार वोटों से हार गए। 2019 में राहुल गांधी को हराने वाली स्मृति ईरानी केएल शर्मा से 1 लाख वोटों से हार गई। भाजपा के खिलाफ वोटर्स का रुख कुछ ऐसा था कि मोदी कैबिनेट के 6 मंत्री भी अपनी सीट नहीं बचा पाए। इनमें अजय मिश्र टेनी, स्मृति ईरानी, महेंद्र नाथ पांडेय, भानु प्रताप वर्मा, फतेहपुर से साध्वी निरंजन ज्योति और कौशल किशोर शामिल हैं। आजमगढ़ से दिनेश लाल निरहुआ और सुल्तानपुर से मेनका गांधी भी चुनाव हार गई हैं। काशी से पीएम मोदी 1 लाख 52 हजार 513 वोट से जीते हैं। उनकी यह जीत 2014 और 2019 से छोटी है।

कल सरकार बनाने का दावा पेश कर सकता है एनडीए

राष्ट्रपति भवन में शपथ की तैयारियां शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी।

18वीं लोकसभा चुनाव के नतीजे लगभग साफ हो गए हैं। 542 सीटों में से एनडीए को 291, इंडिया को 234 सीटें मिल रही हैं। हालांकि, भाजपा 272 के बहुमत आंकड़े को पार नहीं कर पाई, लेकिन एनडीए को बहुमत मिल गया है। 2014 में भाजपा को 278 और 2019 में 303 सीटें मिली थीं। इस बीच अब सरकार बनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। एनडीए बुधवार को सरकार बनाने का दावा पेश कर सकती है। उसने अपने घटकदलों की बुधवार को बैठक बुलाई है। पीएम ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार और टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू को फोन कर बैठक के लिए बुलाया है। उधर, राष्ट्रपति भवन में शपथ की तैयारियां शुरू हो गई हैं। आम लोगों के लिए 5 से 9 जून तक के लिए बंद कर दिया है। उधर, इंडिया गठबंधन की भी शाम को दिल्ली में बैठक बुलाई गई है। राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इस बैठक अगली रणनीति पर चर्चा की जाएगी। इलेक्शन कमीशन की वेबसाइट के अनुसार, रात 10 बजे तक भाजपा को 240, कांग्रेस को 99, सपा को 37, टीएमसी को 29, डीएमके को 22, टीडीपी को 16, जेडीयू को 12, शिवसेना यूटीबी को 9, एनसीपी शरद पवार को 7, राजद को 4 और लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास को 5, शिवसेना शिंदे को 7 सीटें मिलती दिख रही हैं।

छत्तीसगढ़ में भाजपा 8 सीटें जीती, 2 पर आगे, कांग्रेस के खाते में सिर्फ कोरबा

रायपुर, एजेंसी।

लोकसभा चुनाव-2024 में छत्तीसगढ़ से भाजपा ने 8 सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। रायपुर से बृजमोहन अग्रवाल 575285 वोटों से जीत गए हैं। दुर्ग से विजय बघेल 4 लाख से ज्यादा वोटों से जीते, सरगुजा से चिंतामणि महाराज ने 64 हजार से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की। बस्तर से महेश कश्यप ने 55 हजार, रायगढ़ से राधेश्याम राठिया ने 2 लाख और जांजगीर-चांपा से कमलेश जांगड़े 55 हजार से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है।

कांकर से भोजराज नाग ने 1884 वोटों से जीत दर्ज की है। जबकि एक सीट कोरबा कांग्रेस की ज्योत्सना महंत जीती हैं। राजनांदगांव से कांग्रेस उम्मीदवार और पूर्व सीएम भूपेश बघेल हार गए हैं। यहां से संतोष पांडेय ने 44411 वोटों से जीत दर्ज कर ली है।

छत्तीसगढ़ लोकसभा चुनाव में कौन आगे

रायपुर-बृजमोहन अग्रवाल (भाजपा) 575285, राजनांदगांव-संतोष पांडेय (भाजपा) 44411, बस्तर-महेश कश्यप (भाजपा) (जीत) 55245, महासमुंद-रूप कुमारी चौधरी (भाजपा) 145456, दुर्ग-विजय बघेल (भाजपा) (जीत)



438226, सरगुजा-चिंतामणि महाराज (भाजपा) (जीत) 64822, रायगढ़-राधेश्याम राठिया (भाजपा) (जीत) 240391, जांजगीर-चांपा-कमलेश जांगड़े (भाजपा) (जीत) 60000, कोरबा-ज्योत्सना महंत (कांग्रेस) 43283, कांकर-भोजराज नाग (भाजपा) 1884, बिलासपुर-तोखन साहू (भाजपा) 1605021 प्रदेश में चुनाव में 3 सांसद, 1 पूर्व सांसद, 1 कैबिनेट मंत्री, 1 पूर्व सीएम, 3 पूर्व कैबिनेट मंत्री, विधायक-पूर्व विधायक सहित 220 प्रत्याशी मैदान में हैं। वोटों की गिनती के लिए प्रदेश में 94 मतगणना हॉल बनाए गए हैं, इनमें 6562 अधिकारी-कर्मचारियों की इ्यूटी लगाई गई है।

छत्तीसगढ़ में गर्मी-लू से अब तक16 मौतें

रायपुर समेत 4 संभागों में आज बारिश के आसार, तेज हवा और अंधड़ का अलर्ट रायपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ में सोमवार को प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश हुई, लेकिन गर्मी से ज्यादा राहत नहीं मिली। मौसम विभाग के मुताबिक आज रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग और बस्तर संभाग के कुछ जिलों में हल्की बारिश की संभावना है। साथ ही कहीं-कहीं पर 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा और अंधड़ भी चलेगी।

इस दौरान उत्तरी छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में गर्म हवा चलने की भी संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में अगले एक-दो दिन नमी और शुष्क हवाओं का मिला-जुला असर रहेगा। सोमवार को प्रदेश में सबसे गर्म मुंगेली जिला रहा। यहां का अधिकतम तापमान 41 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान नारायणपुर में 18.9 डिग्री रहा।

दिन के तापमान में गिरावट

सोमवार को प्रदेश के कुछ हिस्सों में हुई हल्की बारिश की वजह से दिन के तापमान में गिरावट आई है। सोमवार को रायपुर में पारा 43 डिग्री से गिरकर 40 .6 डिग्री पर पहुंच गया। तापमान में इस गिरावट के कारण यहां तेज गर्मी से थोड़ी राहत मिली, लेकिन उमस और गर्म हवा के थपेड़ों से लोग परेशान रहे। वहीं रात में भी उमस ने परेशान किया। बिलासपुर में तापमान 42.2 डिग्री से



गिरकर 41.6 डिग्री तक आ गया है। दुर्ग में तापमान 42.2 डिग्री गिरकर सोमवार को 40.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। सरगुजा में तापमान 40.6 डिग्री से गिरकर 38.1 डिग्री पर पहुंच गया है। आज इन जिलों में बारिश के आसार मौसम विभाग के मुताबिक आज रायपुर, बलौदाबाजार, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद, दुर्ग, बालोद, राजनांदगांव, मुंगेली, कोरबा, जांजगीर, बस्तर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, सुकमा, कांकेर, बीजापुर और नारायणपुर में हल्की बूंदबांदी के आसार हैं। वहीं, 5 जून को भी रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग में हल्की बूंदबांदी और प्रदेश में गरज-चमक के साथ वज्रपात और अंधड़ जारी रहने की संभावना है।

हीटवेव से अब तक 16 मौतें

प्रदेश में नौतपा के दौरान हीटवेव से

प्रदेश में मौतों का आंकड़ा 16 तक पहुंच गया है। सबसे ज्यादा बिलासपुर में 10 लोगों ने गर्मी और लू से दम तोड़ा है। वहीं, सोमवार को दुर्ग जिले में एक युवक की मौत हो गई। इसके साथ ही रायपुर में ट्रैफिक पुलिस कॉन्स्टेबल की मौत ड्यूटी के दौरान हुई थी।

बिलासपुर में दोपहर में चली लू, शाम को ठंडी हवाओं से राहत

बिलासपुर में नौतपा खत्म होने के बाद अब तापमान में गिरावट आने लगी है। इसके बाद भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। सोमवार को पारा 41.6 डिग्री रहा। लेकिन, दोपहर में गर्म हवाओं के थपेड़ों से लोग हलकान होते रहे। हालांकि, प्रदेश के कई इलाकों में हुई बारिश के चलते देर शाम को ठंडी हवाएं चलने लगी और गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली।

राजनांदगांव:पूर्व सीएम भूपेश बघेल 44635 मतों से हारे, भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडेय ने दर्ज की जीत

राजनांदगांव, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ की राजनांदगांव लोकसभा सीट के नतीजे आ गए हैं। भाजपा के संतोष पांडेय ने कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल को 44635 वोटों से हराया है। संतोष पांडेय को 7 लाख 05 हजार 761

यातायात डीएसपी ने 2 ट्रैफिक पुलिस कर्मियों का काटा चालान



ड्यूटी के दौरान बिना हेलमेट पहने चला रहे थे बाइक, दोगुना फाइन वूसला

रायपुर, एजेंसी।

रायपुर में लोकसभा चुनाव मतगणना के दिन यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले 2 ट्रैफिक पुलिस का चालान काटा गया है। दरअसल, मंगलवार को कार्टेटिंग स्थल सेजबहार में यातायात व्यवस्था के लिए अधिकारी और कर्मचारी की ड्यूटी लगाई गयी थी। यातायात थाना से दो कर्मचारी, एक प्रधान आरक्षक और एक आरक्षक अपने बाइक से बिना हेलमेल लगाए ड्यूटी पर पहुंचे थे। मौके पर पहुंचे यातायात डीएसपी गुरजीत सिंह ने दोनों को हेलमेट नहीं लगाने का कारण पूछा। संतोषजनक जवाब नहीं देने पर दोनों पर 1000-1000 रुपए का फाइन किया गया। ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए के निर्देश दिए हैं।

दोगुना फाइन वसूला

यातायात डीएसपी गुरजीत सिंह ने बताया कि, मोटरयान अधिनियम की धारा 129/194(डी) के तहत 500 रुपए जुर्माने का प्रावधान है। लेकिन नए मोटरयान कानून 2019 के धारा 210 (बी) में यह प्रावधान किया गया है कि ट्रैफिक नियम पालन कराने वाले (पुलिस अधिकारी) यदि नियमों को नहीं मानते हैं तो उनकी सजा दोगुना होगी। इसलिए दोनों कर्मियों से 500 की जगह 1000-1000 रुपए फाइन किया गया।

सभी पुलिस कर्मियों को हेलमेट पहना अनिवार्य

रायपुर एसपी संतोष कुमार सिंह ने जिले में तैनात सभी अधिकारी कर्मचारी को वर्दी की हालत में बाइक चलाते समय हेलमेट लगाने और कार चलाते समय अनिवार्य रूप से सीट बेल्ट लगाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सभी से ट्रैफिक रूल का पालन कर कहा है।

बस्तर को मिला नया सांसद: पूर्व मंत्री कवासी लखमा हारे, महेश कश्यप को मिले 4 लाख 57 हजार 514 वोट

जगदलपुर एजेंसी।

छत्तीसगढ़ में बस्तर लोकसभा की 8 विधानसभा सीटों पर हुए चुनाव के नतीजे आ गए हैं। बीजेपी से महेश कश्यप ने कांग्रेस के प्रत्याशी कवासी लखमा को 55078 वोटों से हराया है। बीजेपी से महेश कश्यप को 457514 वोट मिले, वहीं कवासी लखमा को 402436 वोट मिले। बस्तर लोकसभा सीट से कुल 11 प्रत्याशी चुनावी मैदान में अपना भाग्य आजमाने उतरे थे।

बस्तर, चित्रकोट और जगदलपुर इन तीन विधानसभा की मत पेटियों की गिनती जगदलपुर में हुई, जबकि नारायणपुर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव और कोंटा (सुकमा) की उसी जिले के जिला मुख्यालय में वोटों की गिनती हुई। 14 और 16 राउंड में मत पेटियों की गिनती की गई।

1957 बूथों पर हुई थी वोटिंग

बस्तर लोकसभा सीट के अंतर्गत कुल 8 विधानसभा है। जिनमें 1957



पोलिंग बूथ बनाए गए थे। नक्सल प्रभावित इलाके के करीब 234 पोलिंग बूथों को पास के गांवों में शिफ्ट किया गया था। बस्तर लोकसभा सीट में जगदलपुर और बस्तर में सुबह 7 से शाम 5 बजे तक वोटिंग हुई थी, जबकि, दंतेवाड़ा, कोंटा (सुकमा), नारायणपुर, कोंडागांव, बीजापुर में सुबह 7 से शाम 3 बजे तक ही वोट पड़े थे।

जांजगीर-चांपा लोकसभा से हारे शिवकुमार डहरिया:करीब 60 हजार वोट से बीजेपी की कमलेश जांगड़े ने पूर्व मंत्री को हराया

जांजगीर-चांपा, (दिव्य आकाश)।

जांजगीर-चांपा लोकसभा सीट में भी बीजेपी ने जीत हासिल कर ली है। कांग्रेस से पूर्व मंत्री शिवकुमार डहरिया मैदान में थे जिन्हें बीजेपी की कमलेश जांगड़े ने करीब 60 हजार वोट से हरा दिया है। कमलेश जांगड़े को 6 लाख 60 हजार 262 वोट मिले। वहीं डहरिया को 6 लाख 1 हजार 747 वोट मिले हैं।

जांजगीर में 18 प्रत्याशियों के लिए



वोटिंग 7 मई को हुई थी। इस लोकसभा सीट में 67.36 फीसदी पुरुष और 67.76 फीसदी महिलाओं ने मतदान किया। कुल वोटिंग 67.56 प्रतिशत हुई थी।

कांकेर: भाजपा प्रत्याशी भोजराज 1884 वोटों से आगे

कांकेर, एजेंसी।

कांकेर लोकसभा सीट के लिए नेशनल हाईवे-30 स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज नाथिया नवागांव में सुबह 8 बजे से मतगणना जारी है।भाजपा प्रत्याशी भोजराज नाग को 597624 और कांग्रेस प्रत्याशी बीरेश ठाकुर को 595740 वोट मिले हैं। यहां बीजेपी 1884 वोट से आगे चल रही है। कांकेर में 9 प्रत्याशियों के लिए वोटिंग 26 अप्रैल को हुई थी। इस लोकसभा सीट में 73.50 प्रतिशत वोटिंग हुई।

सरगुजा:बीजेपी के चिंतामणि 64585 मतों से जीते

सरगुजा , एजेंसी।

सरगुजा लोकसभा क्षेत्र से चिंतामणि महाराज करीब 64 हजार 585 मतों से चुनाव जीत गए हैं। सरगुजा लोकसभा में यह भाजपा की लगातार पांचवीं जीत है। बीजेपी के चिंतामणि महाराज को 7 लाख 13 हजार 200 वोट मिले। वहीं कांग्रेस से शशि सिंह को 648378 वोट मिले।

पिछले चार लोकसभा चुनाव के मुकाबले में यह वोट का अंतर सबसे कम हैं। सरगुजा लोकसभा अंतर्गत आने वाले 8 विधानसभाओं में से पांच में भाजपा और तीन में कांग्रेस को बढ़त मिली है। सरगुजा क्षेत्र के



रामानुजगंज, अंबिकापुर, लुंड्रा, प्रेमनगर, भटगांव विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा को बढ़त मिली। साथ ही सीतापुर, सामरी और तप्तपुर विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस को बढ़त मिली है।

छत्तीसगढ़ में तीसरे और

अंतिम चरण के लिए सरगुजा लोकसभा सीट पर 79.89 प्रतिशत हुआ। सरगुजा लोकसभा क्षेत्र के लिए 18.19 लाख मतदाताओं में से 1453444 ने अपने मताधिकार का उपयोग किया है।

नारायणपुर-सुकमा जिले में हुई घटना नक्सलियों ने घर में घेरकर ग्रामीण को मार डाला, जवान की भी हत्या

जगदलपुर, एजेंसी।

गृहमंत्री विजय शर्मा नक्सलवाद पर सार्थक चर्चा करने के लिए दो दिनों से बस्तर दौरे पर हैं। गृहमंत्री के बस्तर दौरे के दौरान दो स्थानों पर पुलिसकर्मों और एक ग्रामीण की हत्या कर दी गई है। फिलहाल इस मामले में पुलिस जांच कर रही है और कुछ संदिग्धों से भी पूछताछ कर रही है।

पहली हत्या की वारदात को नारायणपुर जिले के ग्राम मसपुर में रविवार की रात 10 बजे के करीब नक्सलियों ने अंजाम दिया है। यहां नक्सलियों ने शालुराम पोटाई (45) पिता स्वर्गीय मूराराम पोटाई के घर को चारों तरफ घेर लिया और उसे घर से निकालकर उसकी हत्या कर दी गई। दूसरी वारदात सुकमा जिले के गादीरास की है यहां भी रविवार की देर रात प्रधान आरक्षक लक्ष्मण सोढ़ी की हत्या कर दी गई है।

लक्ष्मण मेले में नृत्य करने गया हुआ था, उसी दौरान अज्ञात लोगों ने उसका गला रेत दिया है। जिस अंदाज में लक्ष्मण की हत्या की गई है, उसे देखते हुए माना जा रहा है कि इसमें नक्सलियों का हाथ हो सकता है। सुकमा एसडीओपी परमेश्वर तिलवार ने बताया कि एसपी और दो थाने के टीआई जांच में जुटे हैं। सुकमा और गादीरास के टीआई मामले की जांच कर रहे हैं।

ज्वेलरी दुकान में 20 लाख रुपये से अधिक की चोरी:सरगुजा में शटर का ताला तोड़ घुसे चोर, सोने-चांदी के जेवर लेकर हुए फरार

सरगुजा/बतौली, एजेंसी।

सरगुजा जिले के बतौली पुराने बस स्टैंड में संचालित दीपांशु ज्वेलर्स में बीती रात शटर का ताला तोड़कर घुसे चोरों ने करीब 20 लाख रुपये के जेवरों की चोरी कर ली। चोर दुकान के गल्ले में रखा 40 हजार रुपये नगदी भी साथ ले गए। दीपांशु ज्वेलर्स के संचालक के घर करीब चार माह पूर्व चोरों ने 25 लाख रुपये से अधिक की चोरी की थी। दूसरी बार हुई चोरी से परिवार सदमें में है।

जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाइवे 43 मुख्यमार्ग पर संचालित दीपांशु ज्वेलर्स के संचालक मुकेश सोनी बीती रात दुकान का ताला बंद कर घर चले गए थे। मुख्यमार्ग में दुकान होने एवं चार माह पूर्व घर में हुई चोरी के बाद वे दुकान के जेवर घर नहीं ले जा रहे थे। दुकान में सोने के करीब 12



तोले के जेवर के साथ कार्डटर में 40 हजार रुपये नगदी एवं बड़ी मात्रा में चांदी के जेवर व सामान रखे हुए थे।

शटर तोड़कर घुसे चोर, पूरी दुकान किया साफ

देर रात अज्ञात चोर शटर का ताला तोड़कर घुसे। चोरों ने करीब 10 से 12 तोला सोने का जेवर, चांदी के करीब 7

किलो के बर्तन, चांदी के डेढ़ किलो के सिक्के, 10 किलो चांदी के पायल, और पुरानी चांदी के पायल करीब पांच किलो की चोरी कर ली। दुकान के गल्ला का ताला तोड़कर चोर उसमें रखे 40 हजार रुपये निकालकर फरार हो गए।

चोरों ने लगभग 22 किलो चांदी, 10 से 12 तोला सोने के जेवर और 40 हजार रुपये नगदी की चोरी की है, जिसकी अनुमानिक कीमत 22 लाख रुपये से अधिक बताई गई है। चोरों ने आर्टिफिशियल ज्वेलरी को हाथ नहीं लगाया।

डब्बों को दुकान के पीछे फेंका

चोरी की जानकारी सुबह दुकान के शटर का ताला टूटा देख आसपास के लोगों ने संचालक मुकेश सोनी को दी। सूचना पर बतौली थाने से पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची। चोरों ने दुकान में पर्याप्त समय लेते हुए सभी कार्डटर के दराज

खोलकर बारीकी से जांच की थी। दुकान के जेवरों के डिब्बे पीछे खुली जगह पर फेंके हुए मिले।

चार महीने पूर्व घर में हुई थी चोरी

दीपांशु ज्वेलर्स के संचालक मुकेश सोनी के बरगीडीह मार्ग पर स्थित निवास पर चोरों ने करीब चार माह पूर्व 25 लाख के जेवर व करीब पांच लाख रुपये नगदी की चोरी की थी। घटना की रात उनका परिवार अंबिकापुर में रूक गया था। पुलिस टीम चोरों की पतासाजी में लगी थी, लेकिन चोरों का अब तक पता नहीं चल सका है।

सीसी कैमरे नहीं, कोई सुराग नहीं

जहां चोरी हुई, उस दुकान में सीसी कैमरे नहीं लगे हैं। आसपास के सीसी कैमरे का कव्हेज एरिया भी दीपांशु ज्वेलर्स तक नहीं है। इस कारण पुलिस को आरोपियों का कोई सुराग नहीं है।

बृजमोहन अग्रवाल को 5 लाख से अधिक की लीड,सुनील सोनी की जीत का रिकॉर्ड टूटा

रायपुर, एजेंसी।

रायपुर लोकसभा में बीजेपी के बृजमोहन अग्रवाल ने बड़ी और निर्णायक बढ़त बना ली है। अभी उनके कुल वोट साढ़े 8 लाख के पार हो गए हैं। वोटों की गिनती जारी है और अभी ही सुनील सोनी के जीत का रिकॉर्ड टूट गया है। विकास उपाध्याय के खिलाफ बृजमोहन की लीड साढ़े 4 लाख तक पहुंच गई है।

2019 में सुनील सोनी ने 3 लाख 48 हजार 238 वोटों से प्रमोद दुबे को हराया था। फिलहाल कांग्रेस के विकास उपाध्याय को दोपहर 5 बजे तक 3 लाख 90 हजार वोट पड़े हैं। वहीं तीसरे नंबर बहुजन समाज पार्टी की प्रत्याशी ममता रानी हैं। नोटा को करीब 4 हजार वोट अब तक मिले हैं।

14 राउंड में वोटों की गिनती होगी। रायपुर लोकसभा के वोटों की गिनती सेजबहार सेंटर के अलावा बलौदाबाजार जिले में भी हो रही है। रायपुर जिले की 7



विधानसभा के अलावा बलौदाबाजार और

भाटापारा विधानसभा भी इसमें शामिल है।



कोरबा, दिनांक 05 जून 2024

वायुसेना का लड़ाकू विमान सुखोई मंगलवार को नासिक में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान ओवरहॉलिंग के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के पास था। नासिक रेंज के विशेष महानिरीक्षक डीआर कारले ने बताया कि सुखोई Su-30MKI विमान के पायलट और को-पायलट सुक्षित बाहर निकल आए। विमान शरसगांव के पास एक खेत में गिरा।

सुविचार

वक्त का कोई भरोसा
नहीं कब किसे राजा और
किसे रंक बना दे

राजनीति

यह जनादेश मोदी को हराने के लिए नहीं, बल्कि मजबूत विपक्ष के लिए भी

18 वीं लोकसभा का चुनाव परिणाम लगभग सामने आ चुका है और किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिल पाया। देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा भी इस बार भारी नुकसान में दिखी और मोदी का चमत्कारिक व्यक्तित्व इस बार धूमिल दिखाई दिया। यह बड़ी बात है कि तीसरी बार एनडीए की सरकार बन रही है और संभवतः मोदी ही प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार सत्ता संभालेंगे। इस बार 400 के पार के नारे में सत्ता का अहम दिखाई दे रहा था। जनता ने इस बार मोदी को सत्ता वापसी के लिए रास्ता तो दिया, लेकिन स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जनता ने मजबूत विपक्ष भी दिया। माना जा रहा था कि इस बार भी भाजपा अकेले के दम पर सत्ता में वापसी करेगी, लेकिन भाजपा 250 सीट भी हासिल नहीं कर पायी। पूर्ण बहुमत न मिलने के कारण भाजपा इस बार सहयोगी दलों से समन्वय बनाकर देश को आगे बढ़ाएगी और देश फिर से मोदी के सपनों को पंख लगाएगी। 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा। इंडि गठबंधन एग्रीजट पोल आने के बाद 295 + आने का दावा करता रहा, लेकिन 222 के आंकड़ें तक सिमटती नजर आयी और एनडीए गठबंधन को लगभग 300 सीट मिलने की उम्मीद है। भाजपा 243 के आसपास सिमट गई और पूर्ण बहुमत न मिलने के कारण रूझान आने के बाद अपने सहयोगी दलों को समेटने में लगी हुई है, ताकि छिटक कर बाहर न जा सकें। गृहमंत्री अमित शाह सभी गठबंधन के दलों से संपर्क करने में जुटे रहे। नीतिश कुमार को उप प्रधानमंत्री का ऑफर अभी से दिया जा रहा है, तो जितने मांझी को भी गठबंधन में आने का न्यौता बार-बार दिया जा रहा है। नीतिश कुमार से अनबन होने के बाद जितने मांझी ने अपना अलग दल बना लिया था और इस आम चुनाव में अलग होकर चुनाव लड़ रहे थे। रूझान के अनुसार जितने मांझी की पार्टी को 3 सीटें मिल रही हैं। वहीं चंद्रबाबू नायडू की पार्टी को आंध्रप्रदेश में एकतरफा जीत मिली है और विधानसभा में भी बेहतर प्रदर्शन के साथ चंद्रबाबू नायडू की पार्टी तेलगुदेशम की सरकार प्रदेश में बन रही है और आम चुनाव में भी बेहतर प्रदर्शन के साथ एनडीए गठबंधन को मजबूती दी। अमीत शाह लगातार चंद्रबाबू नायडू के संपर्क में हैं। आज एनडीए और इंडिया की बैठक दिल्ली में होने जा रही है और सरकार बनाने के लिए दोनों गठबंधन नई रणनीति पर विचार करेंगे। इंडि गठबंधन भी सरकार बनाने के नजदीक में है और एनडीए के घटक दलों संपर्क में हैं। ममता बैनर्जी ने हालांकि अभी अपना पता नहीं खोली है और इंडि गठबंधन में शामिल नहीं हुई है। पश्चिम बंगाल में ममता बैनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को एकतरफा जीत मिली है और 42 में से 30 सीटों पर आगे चल रही है, जबकि यहां भाजपा ने जो उम्मीद की थी, उसके अपेक्षा अनुरूप सीटें नहीं मिली और यहां भाजपा के प्रदर्शन से एनडीए को झटका लगा है। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में बुलडोजर से भाजपा के किले में दरार पड़ती नजर आयी। यहां इंडि गठबंधन ने मोदी रथ को रोकने में लगभग सफल रही और बेहतर प्रदर्शन सपा ने किया। यहां 80 में से भाजपा 32, सपा 37, कांग्रेस 07 और अन्य को 04 सीट मिल रही है। मध्यप्रदेश में सभी 27 भाजपा के खाते में गई है। छत्तीसगढ़ की 11 में से 10 सीट भाजपा के खाते में गई है। गुजरात उत्तराखंड में भी भाजपा का प्रदर्शन बेहतर रहा। साउथ में एनडीए की सीट से मोदी को राहत मिली है। महाराष्ट्र में भी एनडीए का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था। जनता का यह जनादेश मोदी को हराने के लिए नहीं बल्कि मजबूत विपक्ष के लिए था। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष जरूरी था और सत्ता का अहम और हिटलर शाही से जनता को राहत मिलेगी, देश तो आगे बढ़ेगा ही...।

संपादक

प्रकृति का करें वरण



डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिलायिद
पाटी जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

बड़ी-बड़ी प्रेस विज्ञप्ति भी बांटते हैं। इन्हें लगता है कि इनसे बड़ा कोई पर्यावरण प्रेमी नहीं है। जब मैं शहर से गांव की यात्रा करता हूं तो अब गांव की गलियों में भी कीचड़ और धूल दिखाई नहीं देती और सपाट सड़क से मेरी गाड़ी बिना रूके आगे बढ़ती गई। चारों तरफ डामर और सीसी रोड का जाल बिछाया हुआ दिखाई दिया। कुछ साल पहले मैं इसी सड़क में निकला था, तब उबड़-खाबड़ सड़क के किनारे सैकड़ों-हजारों पेड़ मिल गए थे, लेकिन आज इस सड़क में भी एक-दो पेड़ छोड़कर सभी पेड़ गायब हो गए थे। इससे आगे बढ़ा तो सनासन सड़क दिखाई और यह सड़क थी नेशनल हाईवे की। कुछ साल पहले जब मैं कोरबा से बिलासपुर और बिलासपुर होते हुए कटघोरा-अंबिकापुर मार्ग पर गया तो गर्मी में भी ठंडी हवा के झोंकों से मन आल्हादित होता रहा, लेकिन इस बार इसी मार्ग पर गया तो न तो ताराघाटी की नीचली सड़क दिखाई और न ही लहलहाते पेड़। नेशनल हाईवे में लाखों पेड़ गायब हो गए। हमारे नेशनल हाईवे मंत्री नितिन गडकरी ने निर्माण एजेंसियों को सख्त निर्देश दिया था कि जितने पेड़ कटेंगे, उसके एवज में दोगुने पेड़ लगाने होंगे और पेड़ लगाने का काम संबंधित विभाग करेगा। न जाने ये निर्देश किस कचरे के डब्बे में मिलेंगे, मुझे नहीं पता।

यही हमारा विकास है। हम गर्व से कहते हैं कि भारत आगे बढ़ रहा है... लोग आगे बढ़ रहे हैं...। चिंतन तो करना ही होगा। मैं विकास विरोध कतई नहीं हूँ! लेकिन हम पर्यावरण का जिस तरह से चीरहरण कर रहे हैं, वह हमारे भविष्य के लिए ठीक नहीं। खेती-किसानी का रकबा दिनों दिन घटता जा रहा है और कोयला सहित अन्य खदानें इन खेतीहर भूमियों को निगलती जा रही हैं। कितने पेड़ इन खदानों में समा गए, इसकी गिनती हम नहीं कर सकते। दो गुना पेड़ लगाने का लक्ष्य मिलता है, लेकिन कम से कम मूल तो चुका दें तो हमारी धरती माता धन्य हो जाएगी।

शुक्रन का पल तभी मिलेगा जब सड़कों के अगल-बगल में हरियाली मिलेगी, गांव के चौपाल में पेड़ों की छांव हो, जहां पर वन कटे, उसके आसपास हरियाली के लिए पर्यावरण संरक्षण का काम हो। कम से कम वन विभाग द्वारा जो लक्ष्य मिलता है, उसमें से कम से कम पौध रोपण में भ्रष्टाचार न हो। देश के 140 करोड़ जनता को एहसास कराएं, कि हमें अब जागरूक होना होगा कि हम कम से कम एक पेड़ लगाएं और उसकी सुरक्षा कर बड़े पेड़ का रूप दें।

मां भारती आज भी टकटकी लगाए बैठी है कि कब मेरी संतान पर्यावरण का वरण करेगी। बहुत हो गया पर्यावरण का हरण... अब तो वरण कर लें!!

हरित क्रांति को बनाएं जन आंदोलन



संपादक की कलम से

आज हर युवा चाहता है कि परिवेश में बदलाव हो। चिंतन भी कर रहा है कि देश का भविष्य सिर्फ हरित भारत आंदोलन में ही बेहतर हो सकता है। चिंतन के साथ युवा वर्ग कर्मशील भी दिखाई दे रहा है, इसके विपरीत देश का अंधाधुंध विकास और अंधाधुंध खदानें और फैक्टरियां भी खुल रही हैं और देश का एक तरफा विकास हो रहा है और पर्यावरण को बेतहाशा नुकसान हो रहा है। हमें इस ओर भी चिंतन करने की आवश्यकता है और अंतिम पंक्ति में भी इस चिंतन को सरोकार करते दिखना चाहिए।

जिस तरह से मोदी-1 सरकार ने स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन बनाया था, ठीक उसी प्रकार अब फिर से एनडीए की सरकार आ रही है, तो ऐसे में सरकार को इस ओर प्राथमिकता के साथ स्वच्छ भारत आंदोलन की तरह हरित भारत आंदोलन को बल देना चाहिए, ताकि हर वर्ग के लोग इस अभियान में स्वच्छ भारत अभियान की तरह जुड़कर अपने-अपने क्षेत्र के परिवेश में बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई दे। आज 04 जून को 18 वीं लोकसभा के लिए चुनाव परिणाम भी सामने आ गया। हालांकि इस चुनाव में

एग्रीजट पोल-एग्रीजट हो गया और किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिल पाया। हालांकि किसी तरह एनडीए की सरकार बनना तय है और लगभग मोदी ही प्रधानमंत्री के रूप में सत्ता संभाल सकते हैं। मोदी -3 सरकार को इस ओर बड़ा कदम उठाने की जरूरत है और हरित भारत आंदोलन को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाना होगा, ताकि विश्व के लिए भारत मिशन बन सके। आज हमारी अर्थ व्यवस्था विश्व में 5 वें नंबर पर है और यदि मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनते हैं तो हमारा देश और आगे बढ़ेगा। हरित भारत आंदोलन में भी भारत की भूमिका सराहनीय होनी चाहिए ताकि विश्व में हम पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व कर सकें और भारत का परिवेश बदल सके। हमारी अपनी गलती के कारण आज प्राकृतिक आपदाएं आ रही हैं, इसे प्राकृतिक न कहकर मानव कृत्रिम आपदाएं कह सकते हैं। हमारी अपनी गलती का खामियाजा हम स्वयं भुगत रहे हैं। धीरे-धीरे इसे कम किया जा सकता है, बशर्ते सरकार और जनता को इस ओर कदम तेज गति से बढ़ाना होगा और प्रकृति के साथ तालमेल से ही मानव जीवन सुरक्षित है।

05 जून-विश्व पर्यावरण दिवस : इस साल की थीम- हमारी भूमि नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे पर केंद्रित है

प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और मानव जीवनशैली के लिए इनके गलत उपयोग से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। दूषित पर्यावरण उन घटकों को प्रभावित करता है, जो जीवन जीने के लिए आवश्यक हैं। ऐसे में पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने, प्रकृति और पर्यावरण का महत्व समझाने के उद्देश्य से इस विश्व पर्यावरण दिवस में हमें संकल्प लेना होगा कि हम जीवन के लिए कुछ करें।

पर्यावरण का अर्थ संपूर्ण प्राकृतिक परिवेश से है जिसमें हम रहते हैं। इसमें हमारे चारों ओर के सभी जीवित और निर्जीव तत्व शामिल होते हैं, जैसे कि हवा, पानी, मिट्टी, पेड़-पौधे, जानवर और अन्य जीव-जंतु। पर्यावरण के घटक परस्पर एक-दूसरे के साथ जुड़कर एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं।

हालांकि प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और मानव जीवनशैली के लिए इनके गलत उपयोग से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। दूषित पर्यावरण उन घटकों को



प्रभावित करता है, जो जीवन जीने के लिए आवश्यक हैं।

इस लेख में जानिए कि पर्यावरण दिवस कब और क्यों मनाया जाता है और इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम क्या है।

पर्यावरण दिवस मनाने की नींव 1972 में पड़ी, जब संयुक्त राष्ट्र संघ ने पहला पर्यावरण दिवस मनाया है और हर साल इस दिन को मनाने का एलान किया।

विश्व पर्यावरण दिवस

दरअसल, पहला पर्यावरण सम्मेलन 5 जून 1972 को मनाया गया था, जिसमें 119 देशों ने भाग लिया था। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में सम्मेलन हुआ। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानव पर्यावरण पर स्टॉकहोम सम्मेलन के पहले दिन को चिन्हित करते हुए 5 जून को पर्यावरण दिवस के तौर पर नामित कर लिया।

पर्यावरण दिवस का महत्व

भारत समेत पूरे विश्व में प्रदूषण तेजी से

फैल रहा है। बढ़ते प्रदूषण के कारण प्रकृति खतरे में हैं। प्रकृति जीवन जीने के लिए किसी भी जीव को हर जरूरी चीज उपलब्ध कराती है। ऐसे में अगर प्रकृति प्रभावित होगी तो जीवन प्रभावित होगा। प्रकृति को प्रदूषण से बचाने के उद्देश्य से पर्यावरण दिवस मनाने की शुरुआत हुई।

इस दिन लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाता है और प्रकृति को प्रदूषित होने से बचाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

पर्यावरण दिवस की थीम 2024

प्रतिवर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की एक खास थीम होती है। पिछले साल यानी विश्व पर्यावरण दिवस 2023 की थीम Solutions to Plastic Pollution थी। यह थीम प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान पर आधारित है। इस साल विश्व पर्यावरण दिवस 2024 की थीम Land Restoration, Desertification And Drought Resilience है। इस थीम का फोकस हमारी भूमि नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे पर केंद्रित है।

फूलों की घाटी

05 जून विश्व पर्यावरण दिवस विशेष

उत्तराखंड के चमोली में स्थित फूलों की घाटी का दीदार करने जा सकते हैं। फूलों की घाटी में आपको करीब 500 से भी ज्यादा प्रजाति के रंग-बिरंगे फूल देखने को मिलेंगे।

अगर इस गर्मी आप भी कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो उत्तराखंड के चमोली में स्थित फूलों की घाटी को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह घाटी 01 जून 2024 से पर्यटकों के लिए खुल चुकी है। जोकि इस साल 30 अक्टूबर 2024 तक खुली रहेगी। ऐसे में आप जून से लेकर अक्टूबर तक कभी भी यहां पर अपने परिवार, दोस्तों या पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। हालांकि यहां पर घूमने का सबसे अच्छा महीने अगस्त-सितंबर होता है। क्योंकि इस दौरान आपको यहां पर सबसे ज्यादा फूल देखने को मिलेंगे।



विश्व धरा का श्रृंगार करें हम आओ डगर-डगर पेड़ लगाएं हम



विश्व पर्यावरण दिवस
05 जून 2024

तभी आएगी हरियाली,
जब पेड़ों की होगी सखवाली।



छत्तीसगढ़ महतारी के मान बढ़ाव
अचरा म जगह-जगह पेड़ लगाव



अधिक से अधिक पेड़ लगाएं, जंगलों का संरक्षण और संवर्धन हम सबकी जिम्मेदारी है। पेड़ों को न काटें न काटने दें।
वन एवं वन्य प्राणियों की सुरक्षा हमसबकी जिम्मेदारी है। वन है तो जल है- जल है तो कल है।



कुमार निशांत (आईएफएस)

वनमण्डलाधिकारी-वनमण्डल कटघोरा

सांसे हो रही कम,
आओ पेड़ लगाएं हम।



उदास मन को
करता प्रफूलित
नदी झरना वन
आल्हादित

वन परिक्षेत्राधिकारी
कटघोरा
वनमण्डल कटघोरा

महक उठे तन-मन
जब पेड़ लगे
हर आंगन...

सुखमय होगा तभी जीवन
जब समृद्ध होगा पर्यावरण।



वन परिक्षेत्राधिकारी
एतमा नगर
वनमण्डल कटघोरा

पेड़ पौधों में रहते भगवान
वन रक्षा में करो योगदान।



वन परिक्षेत्राधिकारी
कैदई
वनमण्डल कटघोरा

वनों की रक्षा में करें योगदान
तभी बनेगा देश -प्रदेश महान।



वन परिक्षेत्राधिकारी
जटगा
वनमण्डल कटघोरा

पर्यावरण दिवस रोज मनाएं
धरती को रहने योग्य बनाएं।



वन परिक्षेत्राधिकारी
पसान
वनमण्डल कटघोरा

प्रकृति का न करें हरण,
आओ बचाएं पर्यावरण।



वन परिक्षेत्राधिकारी
पाली
वनमण्डल कटघोरा

स्वच्छ पर्यावरण से नाता जोड़ो,
बीमारियों से मुंह मोड़ो।



वन परिक्षेत्राधिकारी
चैतमा
वनमण्डल कटघोरा



जागरूक बनें पेड़ लगायें,
प्रदूषण को दूर भगाएं...

05 जून 2024

विश्व पर्यावरण दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं...



अरविंद पीएम (आईएफएस)

वन मण्डलाधिकारी, कोरबा

आशीष खेलवार

उप वनमण्डलाधिकारी, कोरबा

एस.के. सोनी

उप वनमण्डलाधिकारी, कोरबा



वन्य प्राणियों
की सुरक्षा करें।



आओ करें हम वृक्षारोपण,
पर्यावरण का हो संरक्षण।



वन परिक्षेत्राधिकारी कोरबा

वनमण्डल, कोरबा (छ.ग.)

लगाओ पेड़-पौधे और दो उन्हें पानी,
पर्यावरण को दो अपनी निशानी।



वन परिक्षेत्राधिकारी बालको

वनमण्डल, कोरबा (छ.ग.)



चिड़िया चहकेगी हर डाली,
पहले फैलाओ हरियाली।



वन परिक्षेत्राधिकारी करतला

वनमण्डल, कोरबा (छ.ग.)

प्रकृति देती है हमें हर कुछ,
हम भी तो देना सिखें कुछ।



वन परिक्षेत्राधिकारी कुदमुरा

वनमण्डल, कोरबा (छ.ग.)



बच्चों को भी दो यह शिक्षा,
पर्यावरण की करो सुरक्षा।



वन परिक्षेत्राधिकारी पसरखेत

वनमण्डल, कोरबा (छ.ग.)

धरती को अगर है बचाना,
तो पर्यावरण रक्षा का लक्ष्य बनाना।



वन परिक्षेत्राधिकारी लेमरू

वनमण्डल, कोरबा (छ.ग.)



पेड़ पौधे लगाएंगे हम,
पृथ्वी को बचायेंगे हम।

एक शुभचिंतक

वनमण्डल, कोरबा (छ.ग.)



पेड़ों को न काटें
न काटने दें।



वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग छत्तीसगढ़ शासन
वनमण्डल कोरबा, जिला-कोरबा



45 घंटे ध्यान पर पीएम मोदी का लेटर,लिखा-शुरू में चुनावी कोलाहल दिल-दिमाग में गूंजा साधना में जाते ही सब शून्य में समा गया



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कन्याकुमारी में 45 घंटे ध्यान साधना पर देशवासियों को एक लेटर लिखा है। इसमें उन्होंने अपने अनुभव बताए हैं। पीएम मोदी ने बताया कि शुरू में चुनावी कोलाहल मेरे दिल-दिमाग में गूंज रहा था, लेकिन धीरे-धीरे आंखें नम हो रही थीं। मैं शून्यता में जा रहा था।

पीएम मोदी ने ये लेटर 1 जून को कन्याकुमारी से दिल्ली वापस आने के दौरान शाम 4.15 से 7 बजे के बीच लिखा था। लेटर का शीर्षक है- **कन्याकुमारी में साधना से नए संकल्प**। इसमें उन्होंने कहा कि आज भारत का गवर्नेस मॉडल दुनिया के कई देशों के लिए एक उदाहरण है।

पीएम मोदी का लेटर
मेरे प्यारे देशवासियों, लोकतंत्र की जननी में लोकतंत्र के सबसे बड़े महापर्व का समायन हो चुका है। तीन दिन तक कन्याकुमारी में आध्यात्मिक यात्रा के बाद, कितने सारे अनुभव हैं, कितनी सारी अनुभूतियां हैं। मैं एक असीम ऊर्जा का प्रवाह स्वयं में महसूस कर रहा हूं। वाकई, 2024 के इस चुनाव में कितने ही सुखद संयोग बने हैं। अमृतकाल के इस पहले लोकसभा चुनाव में मैंने प्रचार अभियान, 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणास्थली मेरठ से शुरू किया था। मां भारती की परिक्रमा करते हुए इस चुनाव की मेरी आखिरी सभा पंजाब के होशियारपुर में हुई।

इसके बाद मुझे कन्याकुमारी में भारत माता के चरणों में बैठने का अवसर मिला। उन शुरुआती पलों में चुनाव का कोलाहल मन-मस्तिष्क में गूंज रहा था। रैलियों में, रोड शो में देखे अनगिनत चेहरे मेरी आंखों के सामने आ रहे थे। माताओं-बहनों-बेटियों का असीम प्रेम, उनका आशीर्वाद, उनकी आंखों में मेरे लिए वो विश्वास, वो दुलार। मैं सब कुछ आत्मसात कर रहा था। मेरी आंखें नम हो रही थीं। मैं शून्यता में जा रहा था, साधना में प्रवेश कर रहा था।

कुछ ही क्षणों में राजनीतिक बाद-विवाद, वार-पलटवार, आरोपों के स्वर-शब्द शून्य में समाते चले गए। मेरे मन में विरक्ति का भाव और तीव्र हो गया। मेरा मन बाहरी जगत से पूरी तरह निकल गया। इतने बड़े दायित्वों के बीच ऐसी साधना मुश्किल होती है, लेकिन कन्याकुमारी की धरती और स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा ने इसे आसान बना दिया। मैं ईश्वर का भी आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे जन्म से ये संस्कार दिए।

मैं ये भी सोच रहा था कि स्वामी विवेकानंद जी ने उस स्थान पर साधना के समय क्या अनुभव किया होगा! मेरी साधना का कुछ हिस्सा इसी तरह के विचार प्रवाह में बहा। इस विरक्ति के बीच भारत के लक्ष्यों के लिए निरंतर विचार उमड़ रहे थे।

कन्याकुमारी में साधना से नए संकल्प

कन्याकुमारी के उगते हुए सूर्य ने मेरे विचारों को नई ऊंचाई दी, सागर की विशालता ने मेरे विचारों को विस्तार दिया, क्षितिज के विस्तार ने ब्रह्मांड की गहराई में समाई एकात्मकता, वननेस का निरंतर एहसास कराया। ऐसा लग रहा था, जैसे दशकों पहले हिमालय की गोद में किए गए चिंतन और अनुभव फिर से जीवित हो रहे हों।

साथियों, कन्याकुमारी का ये स्थान हमेशा मेरे मन के अत्यंत करीब रहा है। कन्याकुमारी में विवेकानंद शिला स्मारक का निर्माण एकनाथ श्री रानाडे जी ने करवाया था। कश्मीर से कन्याकुमारी, ये हर देशवासियों के अन्तर्मन में रची-बसी हमारी पहचान हैं। ये वो शक्तिपीठ है, जहां मां शक्ति ने कन्याकुमारी के रूप में अवतार लिया था। इस दक्षिणी छोर पर मां शक्ति ने भगवान शिव के लिए तपस्या और प्रतीक्षा की, जो भारत के सबसे उत्तरी छोर के हिमालय पर विराज रहे थे।

कन्याकुमारी संगमों के संगम की धरती है। हमारे देश की पवित्र नदियां अलग-अलग समुद्रों में जाकर मिलती हैं और यहां उन समुद्रों का संगम होता है। और यहां एक और महान संगम दिखता है- भारत का वैचारिक संगम! यहां विवेकानंद शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुवल्लुवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामराजर मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की ये धाराएं यहां राष्ट्र चिंतन का संगम बनाती हैं।

जो लोग भारत के राष्ट्र होने और देश की एकता पर संदेह करते हैं, उन्हें कन्याकुमारी की धरती एकता का अमिट संदेश देती है। कन्याकुमारी में संत तिरुवल्लुवर की विशाल प्रतिमा, समुंदर में मां भारती के विस्तार को देखती हुई प्रतीत होती है। उनकी रचना 'तिरुक्कुरल' तमिल साहित्य के रत्नों से जड़ित एक मुकुट के जैसी है। इसमें जीवन के हर पक्ष का वर्णन है, जो हमें स्वयं और राष्ट्र के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा देता है।

आज भारत का गवर्नेस मॉडल दुनिया के कई देशों के लिए एक उदाहरण है। सिर्फ 10 सालों में 25

करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। गरीब के सशक्तिकरण से लेकर लास्ट माइल डिलीवरी तक, समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को प्राथमिकता देने के हमारे प्रयासों ने विश्व को प्रेरित किया है। नए भारत का ये स्वरूप हमें गर्व और गौरव से भर देता है, लेकिन साथ ही ये 140 करोड़ देशवासियों को उनके कर्तव्यों का एहसास भी करवाता है।

अब एक भी पल गंवाए बिना हमें बड़े दायित्वों-बड़े लक्ष्यों की दिशा में कदम उठाने होंगे। हमें नए सपने देखने हैं। सपनों को अपना जीवन बनाना है और उन सपनों को जीना शुरू करना है। हमें भारत के विकास को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखना होगा, इसके लिए ये जरूरी है कि हम भारत के सामर्थ्य को समझें।

स्वामी विवेकानंद ने 1897 में कहा था कि हमें अगले 50 वर्ष केवल और केवल राष्ट्र के लिए समर्पित करने होंगे। उनके इस आह्वान के ठीक 50 साल बाद, 1947 में भारत आजाद हो गया। आज हमारे पास वैसा ही स्वर्णिम अवसर है। हम अगले 25 वर्ष केवल और केवल राष्ट्र के लिए समर्पित करें। हमारे ये प्रयास आने वाली पीढ़ियों और आने वाली शताब्दियों के लिए नए भारत की सुदृढ़ नींव बनकर अमर रहेंगे। मैं देश की ऊर्जा को देखकर ये कह सकता हूँ कि लक्ष्य अब दूर नहीं है। आइए, तेज कदमों से चलें...मिलकर चलें, भारत को विकसित बनाएं।



विदेश में रहकर भी अपनी संस्कृति नहीं भूलीं देसी गर्ल, फिल्म द ब्लफ के कवर पेज पर लिखा ओम

प्रियंका चोपड़ा आज सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं बल्कि हॉलीवुड के बड़े नामों में से एक नाम है। देसी गर्ल के नाम से मशहूर यह अदाकारा सच में दिल से देसी हैं। इस बात का सबुत गाहे-बगाहे उनके सोशल मीडिया हैंडल से नजर आता रहता है। आज अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी से कुछ ऐसा साझा किया है, जिसके लिए उनकी काफी तारीफ हो रही है। चलिए जानते हैं प्रियंका चोपड़ा ने ऐसा क्या कर दिया है जो इतना वायरल हो रहा है

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा प्रियंका चोपड़ा शादी के बाद से अमेरिका में रह रही हैं, लेकिन विदेश में रहने के बावजूद देसी गर्ल अपने संस्कारों को नहीं भूली हैं। इसका ताजा उदाहरण है उनकी



आगामी फिल्म द ब्लफ का कवर पेज। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बताया कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म पर काम शुरू

कर दिया है। प्रियंका चोपड़ा की फिल्म द ब्लफ का निर्देशन फ्रैंक ई फ्लावर्स करने जा रहे हैं। अभिनेत्री ने

स्क्रिप्ट की तस्वीर साझा करते हुए लिखा है कि अब फिल्म का काम शुरू होने जा रहा है। इसके अलावा उन्होंने कवर पेज के ऊपर नारंगी पेन से ओम लिखा है।

प्रियंका चोपड़ा का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। प्रियंका चोपड़ा के उस पोस्ट में दो नाम लिखा नजर आ रहा है जिसे देख कर पता चल रहा है कि इस फिल्म प्रियंका चोपड़ा के किरदार का नाम एर्सेल होगा। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की आगामी फिल्म द ब्लफ के लिए उत्साहित नजर आ रही हैं। सूत्रों की मानें तो प्रियंका चोपड़ा इन दिनों इस फिल्म की शूटिंग के लिए ऑस्ट्रेलिया में हैं। फिल्म द ब्लफ प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

आईसीसी ने टी20 विश्व कप के प्राइज मनी की घोषणा की, विजेता-उपविजेता को मिलेगी इतनी रकम



आईसीसी ने टी20 विश्व कप 2024 के लिए प्राइज मनी की घोषणा कर दी है। आईसीसी ने टूर्नामेंट में प्राइज मनी का बजट 93.51 करोड़ रुपये (11.25 मिलियन यूएस डॉलर) रखा है, जो कि एक रिकॉर्ड है। यह पिछले सभी आईसीसी टी20 विश्व कप टूर्नामेंट से ज्यादा है। वहीं, पिछले साल भारत में हुए वनडे विश्व कप में प्राइज मनी का बजट 82.93 करोड़ रुपये (10 मिलियन अमेरिकी डॉलर) था। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ खेलेगी। टूर्नामेंट का फाइनल 29 जून को होगा।

आईसीसी ने किया प्राइज मनी का एलान
आईसीसी ने सोमवार को बताया कि विजेता टीम को 20.36 करोड़ रुपये (2.45 मिलियन यूएस डॉलर) मिलेंगे। पिछले किसी भी टी20 विश्व कप टीम में विजेता टीम को इतने रुपये नहीं मिले थे। इस साल रिकॉर्ड 20 टीमों इस टूर्नामेंट में खेल रही हैं। इस वजह से इसे अब तक का सबसे बड़ा टी20 विश्व कप कहा जा रहा है। वहीं, फाइनल में हारने वाली टीम को 10.64 करोड़ रुपये (1.28 मिलियन अमेरिकी डॉलर) से संतोष करना पड़ेगा। सेमीफाइनल खेलकर बाहर होने वाली टीमों को 6.54 करोड़ रुपये (787,500 यूएस डॉलर) मिलेंगे।

सुपर-आठ राउंड से बाहर होने पर भी पैसें की बारिश
दूसरे दौर यानी सुपर-8 राउंड को पार करने में नाकाम रहने वाली टीमों को 3.17 करोड़ रुपये (382,500 यूएस डॉलर) मिलेंगे। वहीं, नौ से 12वें स्थान पर रहने वाली टीमों को 2.05 करोड़ रुपये

किस राउंड में कितने रुपये मिलेंगे

राउंड	प्राइज मनी
विजेता	20.36 करोड़ रुपये (2.45 मिलियन अमेरिकी डॉलर)
उप-विजेता	10.64 करोड़ रुपये (1.28 मिलियन अमेरिकी डॉलर)
सेमीफाइनल में हारने पर	6.54 करोड़ रुपये (787,500 अमेरिकी डॉलर)
सुपर-8 राउंड से बाहर होने पर	3.17 करोड़ रुपये (382,500 अमेरिकी डॉलर)
9 से 12वें स्थान पर रहने पर	2.05 करोड़ रुपये (247,500 अमेरिकी डॉलर)
13 से 20वें स्थान पर रहने पर	1.87 करोड़ रुपये (225,000 अमेरिकी डॉलर)

टी20 विश्व कप में कुल 55 मैच खेले जाएंगे
टी20 विश्व कप में शुरुआती राउंड यानी ग्रुप स्टेज में 40 मैच खेले जाएंगे। 20 टीमों को पांच-पांच के चार ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप स्टेज में अपने-अपने ग्रुप पर शीर्ष पर रहने वाली दो टीमों सुपर-8 में पहुंचेंगी। इसके बाद सुपर-8 राउंड की शुरुआत होगी। फिर सेमीफाइनल और 29 जून को बारबाडोस में फाइनल मैच खेला जाएगा। आईसीसी ने प्राइज मनी का एलान करते हुए कहा कि यह टूर्नामेंट कई मायनों में ऐतिहासिक है, इस वजह से प्राइज मनी भी ऐतिहासिक रखा गया है। हम इसे सबसे सफल टी20 विश्व कप बनाना चाहते हैं।

(247,500 यूएस डॉलर) मिलेंगे। 13 से 20वें स्थान पर रहने वाली हर एक टीम को 1.87 करोड़ रुपये (225,000 यूएस डॉलर) मिलेंगे। इसके अलावा हर एक टीम को टूर्नामेंट में एक मैच जीतने पर अतिरिक्त 25.89 लाख रुपये (31,154 यूएस डॉलर) दिए जाएंगे। इसमें सेमीफाइनल और फाइनल के मैच शामिल नहीं हैं। यह नियम सुपर-8 राउंड तक लागू है।

दुनिया का सबसे बड़ा घर है भारत में, 170 कमरे वाले महल के आगे बकिंघम पैलेस भी लगता है फीका

यह बात बहुत कम लोग जानते हैं कि दुनिया का सबसे बड़ा घर भारत में है। यह घर भी इंग्लैंड के राजनिवास बकिंघम पैलेस की तरह एक महल ही है, लेकिन इसका एरिया उससे 4 गुना बड़ा है। इसका नाम लक्ष्मी विलास पैलेस है। 1890 में निर्मित, डिजाइनर-वास्तुकार, रॉबर्ट फेलो चिरोल्टम ने इस भव्य इमारत को बनाने में बारह साल का समय लिया था। यह एक भव्य दरबार हॉल सहित लगभग 170 कमरों वाला महल है। यह शानदार लॉन से घिरा वास्तुशिल्प का एक नायाब रत्न है जहां सुंदर संगमरमर के कलश और इतालवी मूर्ति कला से युक्त हरे-भरे बगीचे हैं।

यह अब तक का सबसे बड़ा निजी आवास है और बकिंघम पैलेस के आकार का चार गुना है। निर्माण के समय में यह सबसे आधुनिक सुविधाओं जैसे एलीवेटर और इंटीरियर को बड़े यूरोपीय देश के घर की याद दिलाती है। यह शाही परिवार का निवास है, जो बड़ौदा के निवासियों

द्वारा उच्च सम्मान में आयोजित किया जाता है। बड़ौदा (अब वड़ोदरा) के तत्कालीन महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय के शासनकाल (1875-1939) के दौरान शाही निवास के रूप में निर्मित इस भवन को मेजर चार्ल्स मांट द्वारा डिजाइन किया गया था।

महल के विशाल परिसर में मुख्य जमीन के स्तर से नीचे एक बगीचा और एक भव्य गोल्फ कोर्स भी है। इसमें हाल में ‘‘21 गन सल्यूट कॉनकार्ड डी एलीगेंस के 10वें संस्करण का आयोजन हुआ। इस दौरान इसके परिसर में 200 से अधिक दुर्लभ ‘विंटेज कारों का प्रदर्शन किया गया। इसमें कुछ शानदार मशीन भी थीं जो मूल रूप से बड़ौदा राज्य की थीं। भव्य आयोजन ने बड़ौदा के पूर्व शाही परिवार के सदस्यों को भावुक कर दिया जो वर्तमान में प्रसिद्ध महल में रहते हैं। इसे वे विनम्रता से अपना ‘‘घर कहते हैं। राजपरिवार की रानी कही जाने वाली



12 जुलाई को परिणय

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट का इन दिनों कूज में दूसरा- प्री- वेडिंग सेलिब्रेशन चल रहा है। 4 दिन चलने वाले इस कूज पार्टी का हिस्सा बॉलीवुड के सितारे भी है। रणवीर कपूर, आलिया भट्ट और एम-एस धोनी जैसे कई सारे स्टार्स पार्टी में रौनक लगाने पहुंच रहे हैं। अनंत-राधिका की वेडिंग इंडिया में होगी। अब उनका ये वेडिंग कार्ड सामने आया है, जिसमें शादी और रिसेशन को लेकर कई सारी डिटेल दी गई है। 12 जलाई को जियो world कंवेनशन सेंटर में दोनों सात फेरे लेंगे। शादी हिंदू रीति रिवाजों के साथ की जाएगी। वेडिंग कार्ड में देखा जा सकता है कि लिखा गया है कि शुभ विवाह 12 जुलाई शुक्रवार को होगा। इस दिन सभी मेहमानों को इंडियन ट्रेडिशनल ड्रेस कोड फॉलो करना होगा। शनिवार, 13 जुलाई को शुभ आशीर्वाद का दिन होगा। न्यूलीवेड कपल को सुखी जीवन का आशीर्वाद दिया जाएगा। इस इवेंट का ड्रेस कोड इंडियन फॉर्मल रखा गया है। फिर रविवार 14 जुलाई को मंगल उत्सव यानी वेडिंग रिसेशन का प्रोग्राम रखा गया है। गेस्ट के लिए ड्रेस कोड इंडियन चिक है। तीनों दिनों तक ये कार्यक्रम तक जियो world सेंटर में चलने वाला है। ऐसे में अब शादी का कार्ड सामने आने के बाद फैंस अनंत और राधिका को दूल्हा- दुल्हन के गेटअप में देखने के लिए उतावले हो गए हैं।



राधिकाराजे गायकवाड़ ने कहा- ‘‘भले ही यह मेरा घर है, लेकिन मुझे लगता है कि लक्ष्मी विलास पैलेस बड़ौदा शहर के दिल में एक गहना है, और भारत में बेहतरीन महलों में से एक है। हम इसे सही स्थिति में बनाए रखने के लिए बहुत मेहनत करते हैं और यह एक बहुत ही भव्य संरचना है तथा अब भी इसके चारों ओर प्राचीन हरियाली है।

इस पैलेस में फिल्म प्रेम रोग, दिल,ग्रेंड मस्ती और सरदार गम्बर सिंह इत्यादि फिल्मों की शूटिंग हुई है. यह पैलेस टूरिस्टों के लिए सुबह 9.30 से शाम 5.00 बजे तक खुलता है और सोमवार के दिन बंद रहता है। यहां आपको ना सिर्फ राजसी ठाठ और शाही घरानों की रॉयल लाइफस्टाइल की एक झलक मिलेगी बल्कि आपको देश के कल्चर और हेरिटेज की भी झलक मिलेगी।



कोरबा लोकसभा क्षेत्र से लगातार दूसरी बार
ऐतिहासिक जीत पर

मान. श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत
को हार्दिक बधाई...



समस्त कांग्रेसजन, कोरबा लोकसभा क्षेत्र